Diploma Programme
Programme du diplôme
Programa del Diploma

Hindi A: literature – Standard level – Paper 2
Hindi A : littérature – Niveau moyen – Épreuve 2
Hindi A: literatura – Nivel medio – Prueba 2

Thursday 5 May 2016 (afternoon)
Jeudi 5 mai 2016 (après-midi)
Jueves 5 de mayo de 2016 (tarde)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

Instructions to candidates

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the part 3 works you have studied and compare and contrast these works in response to the question. Answers which are not based on a discussion of at least two part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.
- The maximum mark for this examination paper is **[25 marks]**.

Instructions destinées aux candidats

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. En basant votre réponse sur au moins deux des œuvres de la troisième partie que vous avez étudiées, vous devez comparer et opposer ces œuvres dans le cadre du sujet. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la troisième partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à apporter des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.
- Le nombre maximum de points pour cette épreuve d'examen est de **[25 points]**.

Instrucciones para los alumnos

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Conteste una sola pregunta de redacción. Base su respuesta en al menos dos de las obras estudiadas de la parte 3, comparándolas y contrastándolas en relación con la pregunta. Las respuestas que no se basen en al menos dos obras de la parte 3 no recibirán una puntuación alta.
- No está permitido traer copias de las obras estudiadas a la sala de examen.
- La puntuación máxima para esta prueba de examen es **[25 puntos]**.

2216 – 0096
© International Baccalaureate Organization 2016

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई रचनाओं में से **कम से कम दो** रचनाओं के **संदर्भ एवं तुलनात्मक** अध्ययन पर आधारित हो। यदि आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं पर आधारित **नहीं** होगा तो आपको उच्च अंक **नहीं** मिलेगा।

कविता

1. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं के आधार पर बताइए कि किस प्रकार कविता पाठकों को नए अनुभवों एवं भावनाओं से परिचय कराती है तथा कवियों ने अपनी रचनाओं में इसे कैसे संभव बनाया है ?

2. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं के आधार पर कवियों द्वारा प्रयुक्त जन-सामान्य और बोलचाल की भाषा के शब्दों का उपयोग अथवा उपयोग से बचने की संदर्भ सहित तुलना कीजिए।

3. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं की संदर्भ सहित तुलना के आधार पर बताइए कि अर्थ और प्रभाव की दृष्टि से कवियों द्वारा प्रयुक्त साधन; शब्दों एवं पंक्तियों को दुहराने से कविता को समझने में और किस प्रकार सहायता मिलती है।

उपन्यास

4. अपनी पढ़ी हुई कम-से-कम दो उपन्यासकारों की रचनाओं के संदर्भ सहित तुलना करते हुए बताइए उपन्यासकारों ने कैसे और किस सीमा तक अपनी रचनाओं में एक अलग और सर्वथा नवीन संस्कृति से पाठकों का परिचय कराया है ?

5. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो उपन्यासकारों की रचनाओं की तुलना के आधार पर उपन्यासकारों द्वारा हास्य एवं व्यंग्य के उपयोग एवं उपन्यास की महत्वपूर्ण घटना पर इसके प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

6. अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर उपन्यासकारों द्वारा संस्मरण अथवा यादगार पलों के सृजन एवं प्रस्तुतीकरण के महत्त्व पर प्रकाश डालें।

कहानी

7. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि कहानीकार किस सीमा तक कहानी को क्रमबद्ध तरीके में प्रस्तुत कर पाने मे सफल रहा है अथवा परिस्थितियों में परिवर्तन से कहानी का क्रम बिखर गया है?

8. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर कहानीकारों द्वारा कहानी को प्रस्तुत करने में प्रतीकों के उपयोग एवं कहानी के उद्देश्य के महत्त्व की समीक्षा कीजिए।

9. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर कहानी के चरम बिन्दु की पहचान कर बताइए कि पाठकों की रुचि बनाए रखने में विस्मय एवं कहानी के चरम बिन्दु, कहानी की सफलता का निर्णायक तत्व हैं।

नाटक एवं एकांकी

10. नाटक जन-सामान्य की समस्याओं से हमारा सामना करवाता है। अपने पढ़े हुए दो या तीन नाटकों के आधार पर नाटककारों द्वारा जन-सामान्य की समस्याओं अथवा समस्याओं के समाधान को प्रस्तुत करने के ढंग की संदर्भ सहित तुलना कीजिए।

11. अपने पढ़े हुई कम से कम दो या तीन नाटकों के आधार पर बताइए कि किस प्रकार नाटककारों ने संवाद के माध्यम से अपने नाटकीय पात्रों के वाक्चातुर्य अथवा स्वांग के प्रयोग से पाठकों को बांधे रखा है।

12. अपने पढ़े हुई कम से कम दो या तीन नाटकों के आधार पर बताइए कि नाटककार किस प्रकार सफल मंच-सज्जा एवं अभिनय-योजना का निर्माण करते है जिससे पाठकों के मन में जिज्ञासा बनी रहती है।

निबंध, आलोचना एवं यात्रा वृतांत

13. अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबंधकारों की रचनाओं के आधार पर जन-सामान्य, स्थान और घटनाओं के वर्णन की तुलना करते हुए इसके महत्त्वपूर्ण प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

14. अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबंधकारों की रचनाओं के आधार पर निबंधकारों द्वारा अपने निबंधों में उठाए गए ज्वलंत मुद्दों अथवा प्रश्नों एवं लेखक द्वारा प्रस्तुत समाधान के प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

15. क्या लेखक को अपने अनुभवों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए अतिशयोक्ति आवश्यक है ? अपने पढ़े हुए कम से कम दो रचनाकारों की रचनाओं के आधार पर समीक्षा कीजिए।